भारत में वायदा बाज़ार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इंडियन **काउंसलि फॉर रसिर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमकि रलिशंस (Indian Council for Research on International Economic Relations-ICRIER)** द्वारा कयि गए अध्ययन से सामने आया है क**िवायदा बाज़ारों (Future Markets)** में व्यापार करने के लयि **कसािन उत्पादक संगठनों (Farmer Producer Organizations-FPOs)** को सशक्त बनाने की ज़रूरत है।

क्या होते हैं कसािन उत्पादक संगठन?

- 'कसािन उत्पादक संगठनों' का अभपि्राय कसािनों, वशिेष रूप से छोटे और सीमांत कसािनों के समूह से होता है। इस प्रकार के संगठनों का प्रमुख उद्देश्य कृषि से संबंधति चुनौतयिों के प्रभावी समाधान की खोज करना होता है।
- FPO प्राथमकि उत्पादकों जैसे- कसािनों, दूध उत्पादकों, मछुआरों, बुनकरों और कारीगरों आदि द्वारा गठति क़ानूनी इकाई होती है।
- FPO को भारत सरकार तथा नाबार्ड जैसे संस्थानों से भी सहायता प्राप्त होती है।

वायदा बाज़ार

(Future Market)

- वायदा बाज़ार का अभपि्राय उस स्थान से होता है जहाँ वायदा/भवषि्य के अनुबंधों को ख़रीदा और बेचा जाता है।
- वायदा/भवषि्य के अनुबंध वे वति्तीय अनुबंध होते हैं जनिमें खरीदार कसिी व्यक्तिको भवषि्य में पूर्व नशि्चति मूल्य पर परसिंपत्ततिखरीदने का वचन देता है।

भारत में वायदा व्यापार :

- भारत का पहला वायदा व्यापार वर्ष 2014 में **राम रहीम प्रगति नरि्माता कंपनी** (यह एक उद्यम है जसिे मध्य प्रदेश के एक आदवािसी क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 3,000 महलिाओं ने शुरू कयिा था) द्वारा **नेशनल कमोडटिी एंड डेरविेटवि्स एक्सचेंज (National Commodity and Derivatives Exchange-NCDEX)** के माध्यम से कयिा गया था।
- भारत में छोटे कसािन अक्सर अपनी सीमति क्षमता के कारण वायदा बाज़ार में व्यापार करने से संकोच करते हैं। भवषि्य के बाज़ार को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है और कहीं-कहीं इसे सट्टेबाज़ी के रूप में भी लयिा जाता है।
  - वायदा व्यापार के स्थान पर छोटे कसािन वपिणन की पारंपरकि प्रणालयिों पर अधकि नरि्भर रहते हैं। ये लोग उच्च कमीशन लेते हैं, परंतु क्रेडटि और बाज़ार तक आसान पहुँच प्रदान करते हैं।

नेशनल कमोडटिी एंड डेरविेटवि्स एक्सचेंज

(National Commodity and Derivatives Exchange-NCDEX)

- NCDEX एक ऑनलाइन कमोडटिी एक्सचेंज है जो मुख्य रूप से कृषि संबंधी उत्पादों में व्यवहार करता है।
- यह **सार्वजनकि लमिटिेड कंपनी (Public Limited Company)** है, जसिे कंपनी अधनियिम, 1956 के तहत 23, अप्रैल 2003 को स्थापति कयिा गया था।
- इस एक्सचेंज की स्थापना भारत के कुछ प्रमुख वति्तीय संस्थानों जैसे-**ICICI बैंक लमिटिेड, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज तथा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण वकिास बैंक** आदि द्वारा की गई थी।
- NCDEX का मुख्यालय मुंबई में स्थति है, लेकनि व्यापार की सुवधिा के लयि देश के कई अन्य हसि्सों में भी इसके कार्यालय हैं।

वायदा बाज़ार के लाभ :

- **वस्तुओं के उचित मूल्य की खोज :** जब किसानों को वायदा बाज़ार से जोड़ा जाएगा, तो उन्हें वस्तुओं के उचित मूल्य की खोज करने में सहायता मिलेगी।
- **बाज़ार में अधिक तरलता :** बाज़ार में किसानों की अधिक भागीदारी बाज़ार को अधिक तरलता प्रदान करेगी। इसके कारण मूल्य की खोज में भी सहायता होगी।
- **मध्यस्थों की समाप्ति:** वायदा बाज़ार में कारोबार करने से किसानों को सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि उनको पिछले साल की कीमतों के बजाय अगले साल की कीमतों के आधार पर निर्णय लेने में मदद मिलेगी, साथ ही वे बिचौलियों और व्यापारियों के चंगुल से भी बाहर आ जाएंगे और अंततः कृषक परिवारों की आय में बढ़ोतरी होगी।

आगे की राह :

- चीन के उदाहरण से सीख लेते हुए भारत सरकार को भी वस्तुओं की कीमतों और खरीद में सीमित हस्तक्षेप करना चाहिये।
- वायदा व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिये सरकार को उन क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिये जहाँ उत्पादन सबसे अधिक होता है और उनके आसपास गोदामों एवं वितरण केंद्रों का निर्माण करना चाहिये।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/linking-farmers-with-futures-market-can-benefit-both